IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

# माध्यमिक स्तर के विद्यालयी षिक्षकों की स्वच्छ भारत अभियान के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन

नीरज नाथावत
(एम.ए एम.एड)
(Assistant Professor)
(बियानी गर्ल्स बी.एड. कॉलेज, जयपुर)

## ❖ पृष्ठभूमि

अच्छाई से पहले स्वच्छता का स्थान है। जीवन जीना एक कला है। प्रत्येक प्राणी जीवन को अपने ढंग से जीना चाहता है और उसके अनुरूप ही साधन जुटाने का प्रयत्न करता है। जन्म धारण करने के बाद जब तक प्राणी संसार में जीवित रहता है तब तक वह अपने जीवन को पर्यावरण के अनुसार समायोजित करने का प्रयत्न करता रहता है।

प्राचीनकाल से ही भारतीय समाज में स्वच्छता को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। जहाँ स्वच्छता रहती है वहाँ ईष्वरीय कृपा विद्यमान रहती है ऐसा शास्त्रों में विदित है।

भारत विष्व के मानचित्र पर वह देष है जिसकी संस्कृति अखण्डित, अद्भुत है। अपनी विषिष्ट पहचान रखता है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में जब भी भारत के सन्दर्भ में स्वच्छता का जिक्र किया जाता है तो इस स्वर्ग से भी सुन्दर धरा पर गन्दगी के पहाड़ नजर आते है। स्वच्छता एवं साफ–सफाई के प्रति जागरूकता सृजित कर देष को साफ–सुथरा व गंदगी से मुक्त बनाने के लिए राष्ट्रव्यापी स्वच्छ भारत अभियान का औपचारिक शुभारम्भ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 2 अक्टूबर, 2014 को गांधी

जयंती के अवसर पर किया। नई दिल्ली में एक वाल्मीकि बस्ती में झाड़ू लगाकर इस महत्वाकांक्षी मिषन की शुरूआत की गयी।

स्वच्छता अपनाने के लिये प्रत्येक नागरिक में सम्प्रत्यय का निर्माण सामाजिक रूप से करना होगा। अतः समाज का ही एक अंग विद्यालय वह स्थान है जहाँ से इस स्वच्छता की अलख जगायी जा सकती है।

स्वच्छता सम्बन्धी शोध कार्य व अध्ययन षिक्षा जगत में अभी लघु स्तर तक है किन्तु विगत दिनों में भारतीय प्रधानमंत्री जी के मिषन क्लीन इंडिया 2014–19 ने इस विषय को चर्चा का केन्द्र बना दिया व दूरदर्षन, समाचार–पत्र, होर्डिंग्स, फिल्म जगत, औद्योगिक जगत भी इस स्वच्छता अभियान की बागडोर सम्भाले है।

अतः स्वच्छ भारत अभियान की गतिषीलता का उत्तरदायित्व भी षिक्षकों के कंधों पर है। अगर 2019 तक एक निर्मल स्वच्छ भारत निर्माण महात्मा गाँधी का सपना साकार करना हैं तो षिक्षकों को तेजी से कार्यबद्ध होकर ईमानदारीपूर्वक सकारात्मक अभिवृत्तिपूर्वक कार्य करना होगा।

## ❖ प्रस्तुत अध्ययन के उद्देष्य

- माध्यमिक स्तर के निजी तथा सरकारी विद्यालयी षिक्षकों की स्वच्छ भारत अभियान के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन करना।
- माध्यमिक स्तर के सरकारी विद्यालयों के पुरूष अध्यापकों एवं महिला अध्यापिकाओं की स्वच्छ भारत अभियान के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन करना।
- माध्यमिक स्तर के निजी विद्यालयों के पुरूष अध्यापकों एवं महिला अध्यापिकाओं की स्वच्छ भारत अभियान के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन करना।
- माध्यमिक स्तर के सरकारी एवं निजी विद्यालयों के पुरूष अध्यापकों की स्वच्छ भारत अभियान के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन करना।
- माध्यमिक स्तर के सरकारी एवं निजी विद्यालयों की महिला अध्यापिकाओं की स्वच्छ भारत अभियान के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन करना।
- माध्यमिक स्तर के सरकारी विद्यालयों के पुरूष अध्यापकों तथा निजी विद्यालयों की महिला अध्यापिकाओं की स्वच्छ भारत अभियान के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन करना।
- माध्यमिक स्तर के सरकारी विद्यालयों की महिला अध्यापिकाओं तथा निजी विद्यालयों के पुरूष अध्यापकों की स्वच्छ भारत अभियान के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन करना।

## ❖ परिकल्पनाऐं

- माध्यमिक स्तर के राजकीय विद्यालयों तथा निजी विद्यालयी षिक्षकों की स्वच्छ भारत अभियान के प्रति अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।
- माध्यमिक स्तर के निजी विद्यालयों के पुरूष अध्यापकों एवं महिला अध्यापिकाओं की स्वच्छ भारत अभियान के प्रति अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।
- माध्यमिक स्तर के सरकारी विद्यालयी के पुरूष अध्यापकों एवं महिला अध्यापिकाओं की स्वच्छ भारत अभियान के प्रति अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।
- माध्यमिक स्तर के सरकारी एवं निजी विद्यालयों के पुरूष अध्यापकों की स्वच्छ भारत अभियान के प्रति अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।
- माध्यमिक स्तर के सरकारी विद्यालयों की महिला अध्यापिकाओं एवं निजी विद्यालयों की महिला अध्यापिकाओं की स्वच्छ भारत अभियान के प्रति अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।
- माध्यमिक स्तर के सरकारी विद्यालयों के पुरूष अध्यापकों एवं निजी विद्यालयों की महिला अध्यापिकाओं की स्वच्छ भारत अभियान के प्रति अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।
- माध्यमिक स्तर के सरकारी विद्यालयों की महिला अध्यापिकाओं एवं निजी विद्यालयों के पुरूष अध्यापकों की स्वच्छ भारत अभियान के प्रति अभिवृत्ति में सार्थक अन्तर नहीं पाया जाता है।

## ❖ शोध विधि

प्रस्तुत अध्ययन की प्रकृति एवं प्रस्तावित उद्देष्यों को देखते हुए इस अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग दत्त संकलन हेतु किया गया है।

## ❖ जनसंख्या

जयपुर जिले के राजकीय एवं निजी माध्यमिक स्तर के विद्यालयी षिक्षकों का चयन जनसंख्या के रूप में किया गया।

## ❖ अध्ययन में प्रयुक्त न्यादर्ष

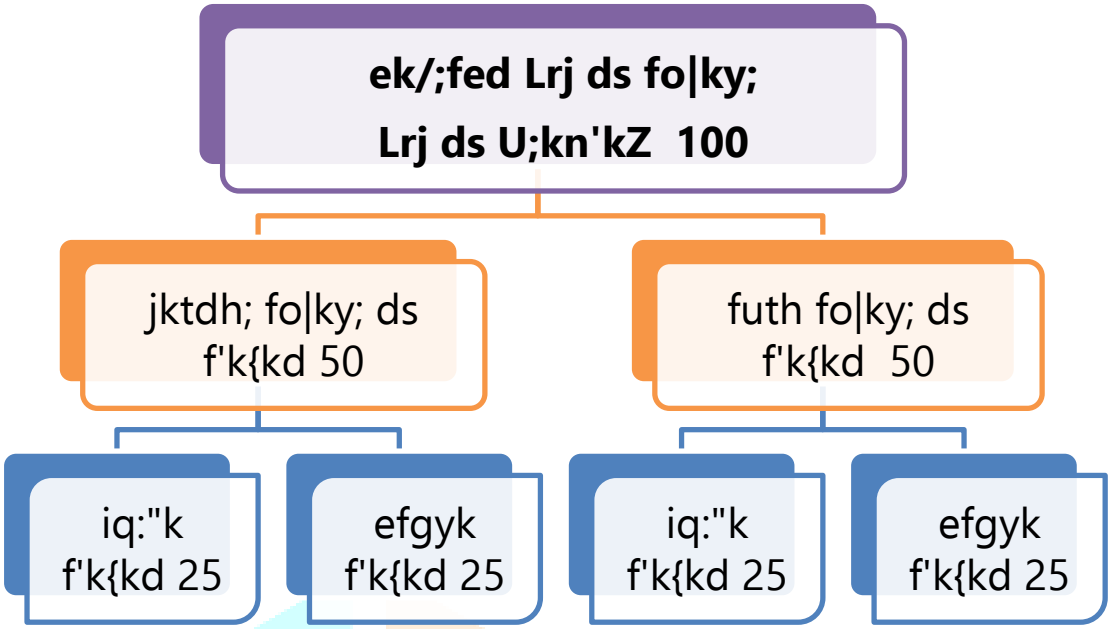


## ❖ अध्ययन में प्रयुक्त शोध उपकरण

प्रस्तुत अध्ययन में अप्रमापीकृत स्वनिर्मित प्रष्नावली (स्वच्छ भारत अभियान अध्यापक अभिवृत्ति मापनी) का प्रयोग आँकड़ों के संग्रहण हेतु किया गया है। इस अभिवृत्ति मापनी के निर्माण में शोधकर्त्री ने स्वच्छ भारत अभियान से सम्बन्धित सामान्य जानकारी, विद्यालयों के स्वच्छता स्तर, स्वास्थ्य षिक्षा से जुडे प्रष्नों को समावेषित किया गया है।

## ❖ प्रदत्त संचयन एवं विष्लेषण

प्रदत्तों संचयन के लिए जयपुर जिले के माध्यमिक स्तर के 8 विद्यालयों के षिक्षकों से स्वच्छ भारत अभियान अभिवृत्ति मापनी भरवाई गई तथा उससे प्राप्त प्राप्तांकों की गणना हेतु सांख्यिकी रूप में मध्यमान, प्रमाप विचलन एवं टी–परीक्षण का प्रयोग किया गया है।

## ❖ शोध अध्ययन के परिणाम

माध्यमिक स्तर के सरकारी एवं निजी विद्यालयी षिक्षकों की स्वच्छ भारत अभियान के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन

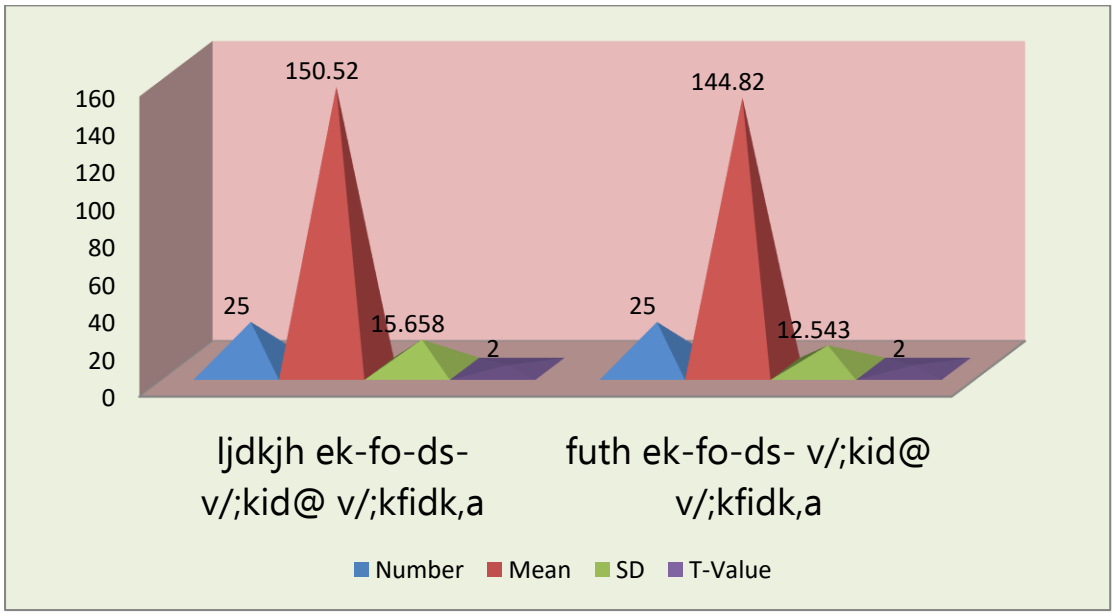


| क्र.सं. | समूह | न्यादर्ष (छ) | मध्यमान (ड) | प्रमाणिक विचलन (क) | टी मूल्य (ज) |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | माध्यमिक स्तर के सरकारी विद्यालय षिक्षक | 50 | 150.52 | 15.658 | 2.00 |
| 2. | माध्यमिक स्तर के निजी विद्यालयी षिक्षक | 50 | 144.82 | 12.543 | |

यहाँ पर सरकारी माध्यमिक विद्यालयों के अध्यापकों का मध्यमान व प्रमाणिक विचलन क्रमष 150.52 व 15.568 है जो कि निजी माध्यमिक विद्यालयों के अध्यापकों के मध्यमान 144.82 व प्रमाणिक विचलन 12.543 की तुलना में अधिक है। निष्कर्ष के रूप में यह कहा जाता है कि सरकारी माध्यमिक विद्यालयों के अध्यापकों की अभिवृत्ति उच्च स्तर की है लेकिन फिर भी इन दोनों समूहों की अभिवृत्ति में अधिक स्पष्ट अन्तर नहीं है।

इस शोधकार्य के परिणाम इस तथ्य की ओर इंगित करते हैं कि तुलनात्मक दृष्टि से अधिकांष परिस्थितियों में स्वच्छता के प्रति अभिवृत्ति का स्तर सरकारी माध्यमिक विद्यालयों के षिक्षकों का निजी माध्यमिक विद्यालयों के षिक्षकों से उच्चतर है। इसका मुख्य कारण शोध कार्य के दौरान षिक्षकों से अन्तक्रिया करने पर प्राप्त हुआ कि स्वच्छता अभियान के प्रति निजी क्षेत्र का प्रबन्धन पक्ष विषेष ध्यान नहीं देता है। स्वच्छता अभियान को षिक्षकों पर एक कार्यभार की तरह लाद दिया गया है तथा अधिकांषत षिक्षकों को खानापूर्ति की तरह स्वच्छता दिवस का आयोजन करने को विवष किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त निजी विद्यालयी षिक्षकों की कार्यभार के कारण व्यस्तता होना, स्वच्छता अभियान के प्रति पर्याप्त जानकारी ना होना, अध्यापकों की अभिवृत्ति का निम्न होने का कारण है। इसके विपरीत सरकारी विद्यालयों के षिक्षकों की अभिवृत्ति उच्चतम स्तर की है। शोधकार्य के दौरान षिक्षकों से वार्ता करने पर पता चला कि विद्यालय में स्वच्छता रखने का हर संभव प्रयास किया जा रहा है। विद्यालयों में स्वच्छता अभियान के तहत षिक्षकों से सहयोग भी लिया जा रहा है।

## ❖ निहितार्थ

प्रस्तुत शोधकार्य षिक्षकों की स्वच्छ भारत अभियान के प्रति अभिवृत्ति के स्तर से सम्बन्धित है। षिक्षक ही इस राष्ट्र के भाग्यविधाता है। षिक्षक यदि स्वच्छता अभियान को गम्भीरता से लेते हुए अपना शत–प्रतिषत योगदान प्रदान करेंगे तो वो दिन दूर नहीं है जब 2019 के स्वर्ण वर्ष महात्मा गाँधी की जयन्ती 2 अक्टूबर के दिन बापू को हम एक स्वच्छ भारत समर्पित करेंगे।स्वच्छ भारत अभियान के प्रति षिक्षकों ने उच्चतम सकारात्मक अभिवृत्ति प्रदर्षित की है। षिक्षकों की इसी अभिवृत्ति को ध्यान में रखते हुए शोधकर्त्री कुछ सुझाव प्रेषित कर रही है। यदि उन्हें ध्यान में रखा जाये तो स्वच्छता अभियान की सफलता निष्चित रूप से सम्भव है –

- स्वच्छ भारत अभियान के तहत विद्यालयों में हो रहे स्वच्छता कार्यक्रमों को एक लघु फिल्म के रूप में मीडिया के साधनों द्वारा नियमित रूप से प्रसारित करना चाहिए।
- हर पंचायत या तहसील, वार्ड स्तर पर श्रेष्ठ स्वच्छता रखने वाले विद्यालय को पुरस्कृत करना चाहिए।
- विद्यालय स्तर पर स्वच्छता अभियान के तहत सर्वश्रेष्ठ योगदान प्रदान करने वाले षिक्षकों को प्रोत्साहन प्रदान करना चाहिए।
- विद्यालयों में षिक्षकों तथा विद्यार्थियों की एक समिति बनानी चाहिए जो स्वच्छ भारत अभियान कमेटी नाम से संचालित की जानी चाहिए जिसका कार्यक्षेत्र विद्यालय तथा आस–पास के इलाके की स्वच्छता से सम्बन्धित होना चाहिए।
- षिक्षकों को हर संभव योगदान स्वच्छ भारत अभियान के सफल होने के लिए प्रदान करना चाहिए।

इस प्रकार निष्कर्ष रूप में हम कह सकते हैं कि स्वच्छ भारत अभियान की सफलता षिक्षकों, विद्यालय प्रबन्धन के मिले–जुले प्रयासों से सम्भव है।

## ❖ सन्दर्भ ग्रन्थ सूची


- **आर्य सत्यदेव (1993)** : स्वास्थ्य एवं शारीरिक षिक्षा. आगरा, राधा प्रकाषन मन्दिर.
- **पाठक पी.डी (2000)** : स्वास्थ्य षिक्षा. आगरा, विनोद पुस्तक मन्दिर.
- **सरीन एवं सरीन (2007)** : शैक्षिक अनुसंधान एवं विधियाँ, आगरा, विनोद पुस्तक मन्दिर.

## Websites


- www.cleaniness.com
- www.government.india.in
- www.wikipedia.com
- www.swacchbharat.com
- www.cleanindiagreenindia.in
- www.shodgangotri.com